Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

मध्यप्रदेश के पर्यटन परिदृश्य का वाणिज्यिक एवं आर्थिक विश्लेषण

अजय अहोरिया
शोधार्थी, लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय उज्जैन मध्यप्रदेश
डॉ.शीतल कुमार शर्मा
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय उज्जैन, मध्यप्रदेश

सारांश
प्रस्तुत शोधपत्र "मध्यप्रदेश के पर्यटन परिदृश्य का वाणिज्यिक एवं आर्थिक विश्लेषण" विषय पर आधारित है, जिसमें राज्य के विविध पर्यटन संसाधनों – धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक एवं वन्यजीव का समग्र अध्ययन किया गया है। मध्यप्रदेश, जिसे "हिंदुस्तान का दिल" कहा जाता है, अपने समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर, विश्व प्रसिद्ध स्मारकों एवं धार्मिक स्थलों के कारण पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। विशेष रूप से महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, खजुराहो मंदिर समूह तथा कान्हा राष्ट्रीय उद्यान जैसे प्रमुख स्थल राज्य के पर्यटन को दिशा प्रदान करते हैं। अध्ययन में मुख्यतः द्वितीयक आँकड़ों (मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग की वार्षिक रिपोर्ट 2024–25) का उपयोग किया गया है, जिनके माध्यम से वर्ष 2023 एवं 2024 के पर्यटन आगमन का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि राज्य में कुल पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें घरेलू पर्यटकों की प्रमुख भूमिका रही है, जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या में आंशिक कमी देखी गई है। यह अध्ययन यह भी दर्शाता है कि धार्मिक पर्यटन मध्यप्रदेश के पर्यटन तंत्र का केंद्रीय आधार है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पर्यटन एक बहुगुणक प्रभाव उत्पन्न करता है, जिससे होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प एवं स्थानीय बाजारों का विकास होता है। अंततः, अध्ययन में यह सुझाव दिया गया है कि यदि पर्यटन अवसंरचना, अंतरराष्ट्रीय प्रचार एवं सतत विकास रणनीतियों पर ध्यान दिया जाए, तो मध्यप्रदेश का पर्यटन क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था का एक सशक्त एवं स्थायी स्तंभ बन सकता है।

शब्द कुंजी मध्यप्रदेश पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, आर्थिक प्रभाव, वाणिज्यिक विश्लेषण, पर्यटन विकास, घरेलू पर्यटक, पर्यटन अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन, महाकालेश्वर, उज्जैन

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

1. प्रस्तावना

मध्यप्रदेश, जिसे प्रायः "हिंदुस्तान का दिल" कहा जाता है, भारत के भौगोलिक केंद्र में स्थित होने के साथ–साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विविधताओं का एक संतुलित संगम प्रस्तुत करता है। यह राज्य अपनी बहुआयामी पर्यटन संरचना के कारण देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में निरंतर उभर रहा है। यहाँ एक ओर विश्व धरोहर स्थलों की प्राचीनता और स्थापत्य वैभव है, तो दूसरी ओर वन्यजीवों की समृद्ध जैव विविधता और धार्मिक आस्था के केंद्र भी समान रूप से विद्यमान हैं।

मध्यप्रदेश के पर्यटन परिदृश्य की विशिष्टता इस बात में निहित है कि यहाँ विभिन्न प्रकार के पर्यटन – धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक और साहसिक–एक ही भौगोलिक क्षेत्र में सहज रूप से उपलब्ध हैं। उदाहरणस्वरूप, खजुराहो मंदिर समूह अपनी अद्वितीय मूर्तिकला और चंदेलकालीन स्थापत्य के लिए विश्वप्रसिद्ध है, वहीं सांची स्तूप बौद्ध धर्म के शांति और दर्शन का वैश्विक प्रतीक है। इसके अतिरिक्त, भीमबेटका शैलाश्रय मानव सभ्यता के प्रारंभिक विकास का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं, जो इस क्षेत्र की ऐतिहासिक गहराई को रेखांकित करते हैं।

प्राकृतिक दृष्टि से भी मध्यप्रदेश अत्यंत समृद्ध है। पचमढ़ी, जिसे "सतपुड़ा की रानी" कहा जाता है, राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन है, जो अपने झरनों, गुफाओं और हरित वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इसी प्रकार, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान और बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान जैसे संरक्षित वन क्षेत्र न केवल जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि वन्यजीव पर्यटन के माध्यम से राज्य की अर्थव्यवस्था में भी योगदान करते हैं। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश का महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित उज्जैन, भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है, जहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। इसी प्रकार, ओरछा, महेश्वर और ओंकारेश्वर जैसे स्थल भी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के महत्वपूर्ण केंद्र हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायक हैं।

पर्यटन के आर्थिक परिप्रेक्ष्य में, मध्यप्रदेश ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य में पर्यटन आगमन के आँकड़ों में निरंतर वृद्धि यह दर्शाती है कि यह क्षेत्र न केवल सांस्कृतिक पहचान का वाहक है, बल्कि आर्थिक विकास का एक सशक्त माध्यम भी बनता जा रहा है। पर्यटन उद्योग के माध्यम से होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यापार एवं सेवा क्षेत्र में व्यापक रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिल रही है।

इसके अतिरिक्त, मध्यप्रदेश में लगभग 12 राष्ट्रीय उद्यान, 24 वन्यजीव अभयारण्य और 3 बायोस्फीयर रिजर्व स्थित हैं, जो इसे प्रकृति–आधारित पर्यटन के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाते हैं। यहाँ 40 से 60 से अधिक प्रमुख पर्यटन स्थल ऐसे हैं, जो विभिन्न प्रकार के

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

पर्यटकों–धार्मिक, ऐतिहासिक, साहसिक एवं पर्यावरणीय–की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

अतः यह कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश का पर्यटन केवल भ्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक–आर्थिक तंत्र का निर्माण करता है। प्रस्तुत अध्ययन इसी परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश के पर्यटन परिदृश्य का वाणिज्यिक एवं आर्थिक विश्लेषण करने का प्रयास करता है, जिससे यह स्पष्ट किया जा सके कि पर्यटन किस प्रकार राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को प्रभावित कर रहा है।

2. अध्ययन के उद्देश्य

- मध्यप्रदेश में पर्यटन के वर्तमान परिदृश्य का विश्लेषण करना।
- पर्यटन आगमन के रुझानों (2023–2024) का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3. शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में शोध को व्यवस्थित, विश्वसनीय एवं तथ्यपरक बनाने के उद्देश्य से मुख्यतः द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग किया गया है। इस संदर्भ में समंक का प्रमुख स्रोत मध्यप्रदेश शासन के पर्यटन विभाग द्वारा प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदन (2024–25) रहा है, जिसमें राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के आगमन, उनकी श्रेणी (देशी एवं विदेशी) तथा समग्र प्रवृत्तियों से संबंधित विस्तृत आँकड़े उपलब्ध हैं। इन आधिकारिक आँकड़ों के आधार पर अध्ययन को प्रमाणिकता प्रदान की गई है, जिससे निष्कर्ष अधिक यथार्थपरक बन सके। संग्रहित आँकड़ों के विश्लेषण हेतु विभिन्न सांख्यिकीय एवं विश्लेषणात्मक तकनीकों का प्रयोग किया गया है। सर्वप्रथम, प्रतिशत विश्लेषण के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भागीदारी एवं वृद्धि दर को स्पष्ट किया गया है। इसके पश्चात् वर्ष 2023 एवं 2024 के आँकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया, जिससे पर्यटन प्रवृत्तियों में हुए परिवर्तनों तथा वृद्धि या कमी के रुझानों को समझा जा सके। साथ ही, सारणी विश्लेषण के माध्यम से समंक को सुव्यवस्थित रूप में प्रस्तुत कर उसकी व्याख्या की गई है, जिससे अध्ययन अधिक स्पष्ट, तार्किक एवं व्यावहारिक बन सके। इस प्रकार, उपर्युक्त शोध विधियों के समन्वित प्रयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन परिदृश्य का वाणिज्यिक एवं आर्थिक विश्लेषण वैज्ञानिक आधार पर किया गया है।

4. मध्यप्रदेश में पर्यटन आगमन का विश्लेषण

तालिका 1

मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन केन्द्रों में पर्यटक आगमन

(जनवरी 2023 से दिसम्बर 2023 तक)

क्र.	पर्यटन स्थल	देशी पर्यटक	विदेशी पर्यटक	कुल पर्यटक

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

1	उज्जैन	52841802	65	52841867
2	महेश्वर	16849000	0	16849000
3	इंदौर	10119300	6688	10125718
4	चित्रकूट	9001246	122	9001368
5	अमरकंटक	3612000	52	3612052
6	ओंकारेश्वर	3475000	0	3475000
7	सतना / सतचपुर	2565000	0	2565000
8	भोपाल	1645417	1168	1646527
9	जबलपुर	1600416	2237	1601464
10	नामचूनपुर	1520000	0	1520000
11	मंडला	1274477	55	1274532
12	खजुराहो	1067492	155	1067647
13	मांडू	826233	3356	829589
14	कान्हा	468284	24502	492786
15	पचमढ़ी	401593	28	401621
16	देवास	362237	7581	369818
17	शिवपुरी	358621	346	358967
18	सांची	352644	3497	356141
19	बुरहानपुर	291340	0	291340
20	पन्ना	251909	68802	319892
21	कान्हा (अन्य)	215391	16262	231653
22	बाघचालगढ़	160318	22650	182968
23	पेंच	155316	8224	163540
24	ओरछा	148278	7719	155997
25	भीमबेटका	142735	962	143697
26	उदयगिरि	64592	649	65241
27	दतिया	44826	607	45433
28	चंदेरी	41047	80	41127
29	धार	35685	1	35686
30	बुरहानपुर (अन्य)	33717	109	33826
31	आदमगढ़	19361	5	19366

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

कुल	**11,19,46,409**	**1,82,685**	**11,21,29,094**

स्त्रोत– मध्यप्रदेश शासन, पर्यटन विभाग, विभागीय वार्षिक प्रतिवेदन 2024–25

जनवरी 2023 से दिसम्बर 2023 तक मध्यप्रदेश में कुल 11.21 करोड़ पर्यटक आए, जिनमें 11.19 करोड़ देशी तथा लगभग 1.83 लाख विदेशी पर्यटक शामिल थे। यह आँकड़ा दर्शाता है कि मध्यप्रदेश देशी पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र है, जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। सबसे अधिक पर्यटक उज्जैन (5.28 करोड़) पहुँचे, जो महाकाल लोक और धार्मिक पर्यटन के कारण विश्वस्तरीय गंतव्य बन चुका है। इसके बाद महेश्वर (1.68 करोड़) और इंदौर (1.01 करोड़) प्रमुख स्थानों पर रहे। धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व वाले चित्रकूट (90 लाख), अमरकंटक (36 लाख) और ओंकारेश्वर (34.75 लाख) भी बड़े केन्द्र रहे।

वन्यजीव और प्रकृति पर्यटन की दृष्टि से कान्हा (4.92 लाख), पेंच (1.63 लाख) और पन्ना (3.19 लाख) में विदेशी पर्यटकों का आकर्षण सबसे अधिक रहा। पन्ना में 68,802 विदेशी पर्यटक आए, जो प्रदेश में सबसे अधिक विदेशी पर्यटकों वाला गंतव्य रहा। सांस्कृतिक धरोहर स्थलों में सांची (3.56 लाख), भीमबेटका (1.43 लाख) और ओरछा (1.55 लाख) ने घरेलू और विदेशी पर्यटकों दोनों को आकर्षित किया। वहीं, खजुराहो (10.67 लाख कुल) ने विदेशी पर्यटकों की उपस्थिति से अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बरकरार रखी। समग्र रूप से देखा जाए तो यह आँकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि मध्यप्रदेश धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन का संगम है। जहाँ धार्मिक स्थल देशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, वहीं राष्ट्रीय उद्यान और विश्व धरोहर स्थल विदेशी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण बने हुए हैं।

तालिका 2

मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन केन्द्रों में पर्यटक आगमन

(जनवरी 2024 से दिसम्बर 2024 तक)

क्र.	पर्यटन स्थल	देशी पर्यटक	विदेशी पर्यटक	कुल पर्यटक
1	उज्जैन	73227586	0	73227586
2	महेश्वर	13381000	0	13381000
3	चित्रकूट	11935812	121	11935933
4	इंदौर	10242486	9964	10252450
5	अमरकंटक	3999514	0	3999514
6	भोपाल	3590308	703	3591011
7	जबलपुर	2582010	1166	2583176

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

8	ओंकारेश्वर	2479000	0	2479000
9	जबलपुर एवं भेड़ाघाट	2381939	5811	2387750
10	नामचूनपुर	1522700	0	1522700
11	मंडला	1375000	0	1375000
12	महाकाल	1353579	0	1353579
13	ग्वालियर	890321	10823	901144
14	मांडू	825384	7167	832551
15	खजुराहो	456438	33131	489569
16	देवास	427341	7107	434448
17	सांची	379699	3681	383380
18	बुरहानपुर	291348	0	291348
19	पन्ना	229240	19148	248550
20	शिवपुरी	211058	252	211310
21	बांधवगढ़	165545	29192	194737
22	पेंच	181409	11272	192681
23	ओरछा	156334	13960	170294
24	भीमबेटका	130260	1282	131542
25	उदयगिरि	65090	691	65781
26	चंदेरी	47413	217	47630
27	दतिया	40473	738	41211
28	बुरहानपुर (अन्य)	32925	261	33186
29	धामनार	30918	3	30921
30	आदमगढ़	21022	1	21023
कुल		**13,31,76,410**	**1,67,535**	**13,33,43,945**

स्त्रोत– मध्यप्रदेश शासन, पर्यटन विभाग, विभागीय वार्षिक प्रतिवेदन 2024–25

जनवरी 2024 से दिसम्बर 2024 तक मध्यप्रदेश में कुल 13.33 करोड़ पर्यटक आए, जिनमें 13.31 करोड़ देशी पर्यटक और लगभग 1.68 लाख विदेशी पर्यटक शामिल थे। यह आँकड़ा 2023 की तुलना में वृद्धि दर्शाता है और इस बात को प्रमाणित करता है कि प्रदेश की पर्यटन नीतियाँ और बुनियादी ढाँचे के विकास कार्य प्रभावी रहे हैं। सबसे अधिक पर्यटक उज्जैन (7.32 करोड़) पहुँचे, जो महाकाल लोक के कारण लगातार देश के शीर्ष धार्मिक पर्यटन स्थलों में बना हुआ है। इसके बाद महेश्वर (1.33 करोड़) और चित्रकूट (1.19 करोड़) प्रमुख रहे।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2
ISSN No: 3049-4176

इंदौर (1.02 करोड़) ने अपनी खाद्य संस्कृति और नगरीय सुविधाओं के कारण बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित किया।

प्राकृतिक और धार्मिक महत्व के स्थलों जैसे अमरकंटक (39.99 लाख), ओंकारेश्वर (24.79 लाख) और जबलपुर–भेड़ाघाट (23.87 लाख) भी पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण बने। वन्यजीव पर्यटन की दृष्टि से पन्ना (2.48 लाख विदेशी पर्यटकों सहित), बांधवगढ़ (1.94 लाख कुल) और पेंच (1.92 लाख कुल) ने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया। इनमें पन्ना में 19,148 विदेशी आगमन विशेष रूप से उल्लेखनीय है। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों में खजुराहो (4.89 लाख कुल, जिनमें 33,131 विदेशी), सांची (3.83 लाख कुल), ग्वालियर (9.01 लाख कुल, जिनमें 10,823 विदेशी) और ओरछा (1.70 लाख कुल, जिनमें 13,960 विदेशी) ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाए रखी। समग्र रूप से देखा जाए तो यह आँकड़े दर्शाते हैं कि मध्यप्रदेश का पर्यटन धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विविधताओं का संगम है। जहाँ देशी पर्यटक मुख्यतः धार्मिक स्थलों पर आकर्षित होते हैं, वहीं विदेशी पर्यटक विश्व धरोहर स्थलों, वन्यजीव अभयारण्यों और ऐतिहासिक धरोहरों की ओर अधिक आकर्षित हैं।

तालिका 3

मध्यप्रदेश में पर्यटन आगमन (2023 बनाम 2024)

श्रेणी	वर्ष 2023	वर्ष 2024	वृद्धि / कमी
देशी पर्यटक	11,19,46,409	13,31,76,410	+2,12,30,001
विदेशी पर्यटक	1,82,685	1,67,535	−15,150
कुल पर्यटक	11,21,29,094	13,33,43,945	+2,12,14,851

स्त्रोत– मध्यप्रदेश शासन, पर्यटन विभाग, विभागीय वार्षिक प्रतिवेदन 2024–25

चित्र 1

मध्यप्रदेश में पर्यटन आगमन (2023 बनाम 2024)

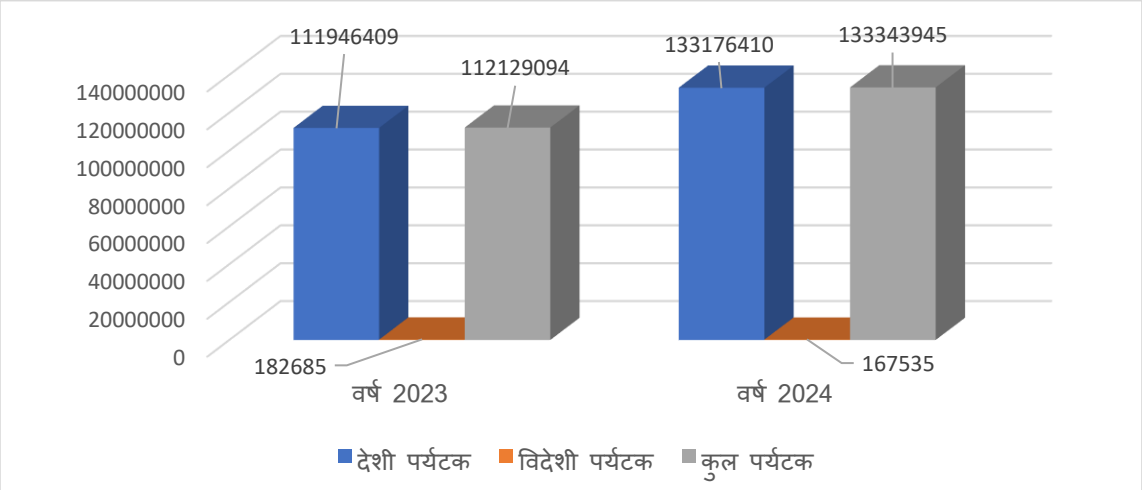

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 की अवधि के तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश में कुल पर्यटक आगमन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में जहाँ कुल 11.21 करोड़ पर्यटक आए, वहीं वर्ष 2024 में यह आँकड़ा बढ़कर 13.33 करोड़ हो गया। अर्थात् मात्र एक वर्ष में लगभग 2.12 करोड़ (18.9% वृद्धि) पर्यटकों की संख्या बढ़ी।

देशी पर्यटक संख्या 2023 के 11.19 करोड़ से बढ़कर 2024 में 13.31 करोड़ हो गई। यह वृद्धि प्रदेश में धार्मिक स्थलों (जैसे – उज्जैन, महेश्वर, चित्रकूट, अमरकंटक, ओंकारेश्वर) के विस्तार, महाकाल लोक के आकर्षण, और सड़क–रेल अवसंरचना के विकास का प्रत्यक्ष परिणाम है। दूसरी ओर, विदेशी पर्यटकों की संख्या 2023 के 1.82 लाख से घटकर 2024 में 1.67 लाख हो गई। इसमें लगभग 15 हजार (–8.3%) की कमी दर्ज की गई। इसका प्रमुख कारण वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक हालात, वीज़ा नियमों की जटिलता और प्रतिस्पर्धी देशों (जैसे नेपाल, श्रीलंका, भूटान) की ओर पर्यटकों का झुकाव है।

मध्यप्रदेश का पर्यटन 2023 से 2024 के बीच मजबूती से बढ़ा, विशेषकर देशी पर्यटकों के कारण। विदेशी पर्यटकों की संख्या में थोड़ी कमी अवश्य आई है, किंतु कुल मिलाकर यह वृद्धि राज्य की पर्यटन नीतियों और अवसंरचना विकास की सफलता का द्योतक है।

5. प्रमुख पर्यटन स्थलों का वाणिज्यिक विश्लेषण

मध्यप्रदेश के पर्यटन परिदृश्य का वाणिज्यिक विश्लेषण यह दर्शाता है कि राज्य में विभिन्न प्रकार के पर्यटन–धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थानीय अर्थव्यवस्था को अलग–अलग स्तरों पर सशक्त बना रहे हैं। धार्मिक पर्यटन के अंतर्गत महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग (उज्जैन), ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग तथा चित्रकूट धाम जैसे प्रमुख स्थल सर्वाधिक पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इन स्थलों पर वर्ष भर श्रद्धालुओं की निरंतर आवाजाही बनी रहती है, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय स्तर पर प्रसाद, फूल–माला, पूजा सामग्री, धर्मशालाओं एवं छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठानों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इस प्रकार धार्मिक पर्यटन न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह स्थानीय व्यापार एवं रोजगार का भी प्रमुख आधार बन चुका है।

सांस्कृतिक एवं विरासत पर्यटन के अंतर्गत खजुराहो मंदिर समूह, सांची स्तूप तथा भीमबेटका शैलाश्रय जैसे स्थल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। ये स्थल न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करते हैं, बल्कि विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर विदेशी मुद्रा अर्जन की संभावनाओं को भी सुदृढ़ करते हैं। इनके माध्यम से राज्य की वैश्विक पर्यटन छवि को मजबूती मिलती है और सांस्कृतिक पर्यटन का विस्तार होता है। इसी प्रकार प्राकृतिक एवं वन्यजीव पर्यटन के अंतर्गत कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान तथा पेंच राष्ट्रीय उद्यान जैसे संरक्षित क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इन स्थलों पर आधारित

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

सफारी पर्यटन ने एक विशिष्ट आर्थिक तंत्र विकसित किया है, जिसमें होटल उद्योग, पर्यटन गाइड, परिवहन सेवाएँ तथा स्थानीय हस्तशिल्प व्यवसाय सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। परिणामस्वरूप, यह क्षेत्र न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी रोजगार एवं आय के स्रोत भी प्रदान करता है।

6. आर्थिक प्रभाव

मध्यप्रदेश में पर्यटन का आर्थिक प्रभाव बहुआयामी एवं व्यापक स्वरूप में परिलक्षित होता है, जो राज्य की समग्र आर्थिक संरचना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रत्यक्ष प्रभाव के अंतर्गत पर्यटन गतिविधियों से होटल, रेस्टोरेंट एवं परिवहन सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जिसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में निवेश एवं आय के अवसर बढ़ते हैं। साथ ही, पर्यटन स्थलों के आसपास स्थानीय बाजारों का विस्तार होता है, जहाँ प्रसाद, स्मृति–चिह्न, हस्तशिल्प एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं की मांग में निरंतर वृद्धि देखी जाती है। अप्रत्यक्ष प्रभाव की दृष्टि से पर्यटन स्थानीय उद्योगों एवं पारंपरिक व्यवसायों को भी प्रोत्साहित करता है। उदाहरणस्वरूप, महेश्वरी साड़ी जैसे वस्त्र उद्योगों को पर्यटकों की बढ़ती मांग से लाभ प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त, कृषि उत्पादों, स्थानीय खाद्य पदार्थों एवं अन्य ग्रामीण उत्पादों की मांग में भी वृद्धि होती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता मिलती है।

रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी पर्यटन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों में गाइड, ड्राइवर, होटल स्टाफ, कारीगर एवं छोटे व्यापारियों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उत्पन्न होते हैं। साथ ही, छोटे एवं मध्यम स्तर के व्यवसायों का विकास होता है, जो स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करते हैं। इस प्रकार, पर्यटन एक "मल्टीप्लायर इफेक्ट" उत्पन्न करता है, जिसके माध्यम से एक क्षेत्र में उत्पन्न आर्थिक गतिविधि अन्य संबंधित क्षेत्रों को भी प्रभावित करती है, और अंततः संपूर्ण क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करती है।

7. सुझाव एवं उपसंहार

मध्यप्रदेश में पर्यटन का स्वरूप स्पष्ट रूप से घरेलू एवं धार्मिक आधार पर केंद्रित दिखाई देता है, जहाँ महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग जैसे प्रमुख केंद्र संपूर्ण पर्यटन तंत्र को प्रभावित करते हैं। राज्य में पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि यह दर्शाती है कि पर्यटन क्षेत्र तीव्र गति से विकसित हो रहा है और इसमें घरेलू पर्यटकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। धार्मिक स्थलों की केंद्रीय भूमिका के कारण पर्यटन का स्वरूप आस्था–आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में उभरता है, जो स्थानीय व्यापार, रोजगार एवं सेवा क्षेत्रों को सशक्त बनाता है। तथापि, विदेशी पर्यटकों की घटती संख्या यह संकेत देती है कि राज्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, जिसके लिए प्रभावी प्रचार–प्रसार एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं का विकास आवश्यक है।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि पर्यटन मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुका है, जो न केवल आय एवं रोजगार सृजन में योगदान देता है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी गति प्रदान करता है। इस संदर्भ में यह आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय प्रचार अभियानों को सुदृढ़ किया जाए, पर्यटन अवसंरचना जैसे सड़क, होटल एवं डिजिटल सुविधाओं में सुधार किया जाए तथा स्थानीय उत्पादों—विशेष रूप से हस्तशिल्प एवं पारंपरिक वस्त्र—की ब्रांडिंग को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही, सतत पर्यटन को प्राथमिकता देते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान दिया जाना चाहिए तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित कर पर्यटन क्षेत्र में नवाचार एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जाना चाहिए।

अंततः, यह कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश का पर्यटन केवल एक भौगोलिक या आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह आस्था, इतिहास और प्रकृति के संतुलित समन्वय का जीवंत उदाहरण है। यदि इसे सुव्यवस्थित योजना, प्रभावी प्रबंधन एवं दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से विकसित किया जाए, तो यह राज्य की अर्थव्यवस्था का सबसे सशक्त और स्थायी स्तंभ सिद्ध हो सकता है।

संदर्भ सूची

1. मध्यप्रदेश शासन, पर्यटन विभाग (2024—25), वार्षिक प्रतिवेदन, भोपालः मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग।
2. मध्यप्रदेश पर्यटन मंडल, (2024), पर्यटन सांख्यिकी एवं नीति प्रतिवेदन, भोपाल।
3. भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय, (2023), भारत पर्यटन सांख्यिकी 2023, नई दिल्ली।
4. संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन, (2023), विश्व धरोहर सूची एवं पर्यटन प्रभाव प्रतिवेदन, पेरिस।
5. कूपर, सी. आदि, (2018), पर्यटनः सिद्धांत एवं व्यवहार, पियर्सन शिक्षा।
6. गॉल्डनर, सी. आर. एवं रिची, जे. आर. बी, (2012), पर्यटनः सिद्धांत, व्यवहार एवं दर्शन, वाइली इंडिया।
7. भाटिया, ए. के, (2011), पर्यटन विकासः सिद्धांत एवं व्यवहार, स्टर्लिंग प्रकाशन।
8. विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद, (2024), आर्थिक प्रभाव प्रतिवेदन।
9. पर्यटन अनुसंधान वार्षिकी, विभिन्न अंक (2020—2024)।
10. पर्यटन एवं आतिथ्य पत्रिका, विभिन्न शोध लेख (2021—2024)।